6 .6 % भारत की ग्रोथ रेट : विश्व बैंक

वित्त वर्ष 2026 में बढ़कर 7 .6 प्रतिशत तक पहुंच सकती है

नई दिल्ली, 09 अप्रैल. वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर एक सकारात्मक संकेत सामने आया है. विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले 6.3 प्रतिशत था.

इस संशोधन के पीछे मजबूत घरेलू मांग, निर्यात में लचीलापन और हाल के मुक्त व्यापार समझौतों को प्रमुख कारण माना गया है. रिपोर्ट के अनुसार, भारत न केवल अपनी विकास गति बनाए हुए है, बल्कि दक्षिण एशिया क्षेत्र में आर्थिक प्रगति का प्रमुख इंजन भी बना हुआ है. निजी उपभोग में वृद्धि, कम मुद्रास्फीति और वस्तु एवं सेवा कर के युक्तिकरण जैसे कारकों ने आर्थिक गतिविधियों को मजबूती दी है. हालांकि, वैश्विक ऊर्जा कीमतों में संभावित वृद्धि और बाहरी चुनौतियां अभी भी चिंता का विषय बनी हुई हैं. इसके बावजूद, विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में भी स्थिर और मजबूत बनी रह सकती है. विशेष रूप से ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ हुए व्यापार समझौतों का सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है. आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में भारत की विकास दर 7.1 प्रतिशत रहने का अनुमान था, जो वित्त वर्ष 2026 में बढ़कर 7.6 प्रतिशत तक पहुंच सकती है.

> रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि कम मुद्रास्फीति और जीएसटी के युक्तिकरण से निजी उपभोग में सुधार हुआ है, जो आर्थिक गतिविधियों को गति देने में अहम भूमिका निभा रहा है. हालांकि, वैश्विक ऊर्जा कीमतों में संभावित वृद्धि से महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है और इससे परिवारों की खर्च करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है. विश्व बैंक ने यह भी सुझाव दिया है कि वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही तक उपभोक्ता मांग को समर्थन देने के लिए जीएसटी दरों को स्थिर रखा जाना चाहिए. इससे आर्थिक संतुलन बनाए रखने में मदद मिल सकती है.

बैंकिंग, वित्तीय कंपनियों में बिकवाली, सेंसेक्स 931 अंक लुढ़का

मुंबई, 09 अप्रैल. विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को बैंकिंग एवं वित्तीय कंपनियों में बिकवाली हावी रही और बीएसई का सेंसेक्स 931.25 अंक (1.20 प्रतिशत) टूटकर 76,631.65 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 222.25 अंक यानी 0.93 प्रतिशत नीचे 23,775.10 अंक पर आ गया. पिछले कारोबारी दिवस पर सेंसेक्स में तकरीबन चार प्रतिशत की तेजी के बाद आज हुई मुनाफा वसूली से प्रमुख सूचकांक गिरावट में रहे. हालांकि कुल मिलाकर निवेश धारणा मजबूत रही. मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांक बढ़त में रहे.

तेल की कीमतों में 4 प्रतिशत उछाल दर्ज

नई दिल्ली, 09 अप्रैल. मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब वैश्विक ऊर्जा बाजार पर साफ दिखाई देने लगा है. गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया, जहां ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई दोनों में करीब 4 प्रतिशत तक की बढ़त देखने को मिली.

यह तेजी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच संभावित सीजफायर को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में तेल आपूर्ति अब भी पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाई है. विशेषज्ञों का मानना है कि यदि स्थिति जल्द नहीं सुधरी, तो तेल की कीमतों में और तेजी आ सकती है, जिसका असर सीधे तौर पर वैश्विक अर्थव्यवस्था और आम उपभोक्ताओं पर पड़ेगा. एक दिन

पहले कीमतों में आई बड़ी गिरावट के बाद यह उछाल बाजार की अस्थिरता को भी दर्शाता है. ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स लगभग 3.31 प्रतिशत बढ़कर 97.89 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया. जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड में 4.2 प्रतिशत की तेजी के साथ यह 98.38 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता नजर आया.

यह उछाल ऐसे समय में आया है जब क्षेत्र में शांति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है. दरअसल, अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित दो सप्ताह के सीजफायर पर अभी भी स्थिति स्पष्ट नहीं है. इसके साथ हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग है, अब भी पूरी तरह से सुचारू नहीं हो पाया है.

> यह उछाल ऐसे समय में आया है जब क्षेत्र में शांति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित दो सप्ताह के सीजफायर पर अभी भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। इसके साथ ही हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग है, अब भी पूरी तरह से सुचारू नहीं हो पाया है। जलडमरूमध्य इराक, सऊदी अरब, कुवैत जैसे प्रमुख तेल उत्पादक देशों से दुनिया भर में तेल पहुंचाने का अहम रास्ता है।

रिलायंस रिटेल स्टार्टअप सूची में 7वें स्थान पर

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 24 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ 27वें स्थान पर

नई दिल्ली, 09 अप्रैल. रिलायंस रिटेल दुनिया की सबसे मूल्यवान निजी स्टार्टअप कंपनियों की वैश्विक सूची में सातवें स्थान पर पहुंच गई है. स्टैनफर्ड ग्रैजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस की रिसर्च के अनुसार, .100 अरब से अधिक मूल्यांकन के साथ कंपनी ने वैश्विक स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है.

पहली 100 मूल्यवान स्टार्टअप कंपनियों की सूची में तीन भारतीय कंपनियां शामिल हैं. लिस्ट में रिलायंस रिटेल ने सबसे ऊंची रैंकिंग हासिल कर, भारत की मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है. रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस रिटेल का पोस्ट-मनी वैल्यूएशन .100 अरब से अधिक है, जिससे वह दुनिया की उन सात कंपनियों में शामिल हो गई है जिन्हें 'हेक्टाकॉर्न' कहा जाता है. इसका मतलब जिन स्टार्टअप्स की वैल्यूएशन .100 को पार कर जाती है उन्हें हेक्टाकॉर्न के नाम से जाना जाता है.

शीर्ष सात कंपनियों में रिलायंस रिटेल रिटेल सेक्टर की एकमात्र कंपनी है. कंपनी को कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, केकेआर, सिल्वरलेक, जीआईसी, टीपीजी और मुबाडाला जैसे प्रमुख वैश्विक निवेशकों से निवेश प्राप्त हुआ है. निवेशकों द्वारा लगाई गई कंपनी की कीमत को ही रैंकिंग का प्रमुख आधार माना गया है.

रैंकिंग स्टैनफर्ड ग्रैजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस की वेंचर कैपिटल इनीशिएटिव की रिसर्च में दी गई है, जो जनवरी 2026 तक के आंकड़ों पर आधारित है. सूची में पहले तीन स्थान पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ओपनएआई, एलन मस्क की स्पेसएक्स और एंथ्रोपिक शामिल हैं, जो वैश्विक निवेश रुझानों में टेक और एआई कंपनियों के बढ़ते दबदबे को दिखाता है. रिपोर्ट में भारत की कुल तीन कंपनियां शामिल हैं. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 24 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ 27वें स्थान पर है, जबकि टाटा ईवी मोबिलिटी 9 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ 93वें स्थान पर रही. अमेरिका 65 कंपनियों के साथ सूची में सबसे आगे है, जबकि चीन की 21 कंपनियां शामिल हैं. भारत और ब्रिटेन की तीन-तीन कंपनियों ने सूची में जगह बनाई है.

चांदी में 2 प्रतिशत की आई गिरावट

नई दिल्ली,09 अप्रैल. मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जो निवेशकों के रुझान में बदलाव का संकेत देती है.

आमतौर पर ऐसे तनावपूर्ण माहौल में सोना-चांदी को सुरक्षित निवेश माना जाता है, लेकिन इस बार बाजार का व्यवहार अलग नजर आया. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों कीमती धातुओं में कमजोरी देखने को मिली, जहां सोना मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता दिखा, जबकि चांदी में 2 प्रतिशत तक की तेज गिरावट दर्ज की गई. इजरायल और लेबनान के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद बाजार में अपेक्षित तेजी नहीं

दिखना यह दर्शाता है कि फिलहाल अन्य वैश्विक कारक कीमतों को अधिक प्रभावित कर रहे हैं. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के जून वायदा में सुबह के कारोबार के दौरान 0.74 प्रतिशत या 1,129 रुपये की गिरावट आई, जिससे यह 1,50,647 रुपये के इंट्राडे लो तक फिसल गया. हालांकि बाद में कुछ रिकवरी देखने को मिली और सोना 1,51,113 रुपये के स्तर पर कारोबार करता नजर आया, जो अभी भी 0.44 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है. सोने का इंट्राडे हाई 1,51,452 रुपये रहा. वहीं चांदी में अपेक्षाकृत ज्यादा दबाव देखने को मिला.

> कारोबार के दौरान इसका उच्च स्तर 2,37,589 रुपये रहा, जबकि बाद में यह 2,36,417 रुपये पर ट्रेड करती दिखी, जो 1.46 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है. विश्लेषकों के अनुसार, चांदी के लिए 2,40,000 से 2,43,000 रुपये का स्तर मजबूत रेजिस्टेंस के रूप में बना हुआ है. यदि कीमतें इस स्तर को पार करती हैं, तो 2,45,000 से 2,47,000 रुपये तक तेजी संभव है. वहीं, 2,36,000 रुपये के नीचे बने रहने पर कीमतों में और गिरावट आ सकती है.

टीसीएस को चौथी तिमाही में 13,784 करोड़ का मुनाफा

31 रुपये प्रति शेयर लाभांश की घोषणा

मुंबई, 09 अप्रैल. देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस के वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में समग्र आधार पर 13,784 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। सालाना आधार पर कंपनी के शुद्ध लाभ में 12.13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है।

वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में कंपनी ने 12,293 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। निदेशक मंडल ने गुरुवार को हुई बैठक में 31 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के वार्षिक लाभांश की भी घोषणा की। आलोच्य तिमाही में कंपनी का कुल राजस्व 9.65 प्रतिशत बढ़कर 70,698 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। प्रति शेयर कंपनी की आय 37.92 रुपये रही। एक साल पहले यह 33.79 रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष के दौरान समग्र आधार पर कंपनी का राजस्व 4.6 प्रतिशत बढ़कर 2,67,021 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एआई कारोबार से कंपनी का वार्षिक राजस्व चौथी तिमाही में 2.3 अरब डॉलर को पार कर गया।

टीसीएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक के. कृतिवासन ने परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार तीसरी तिमाही में कंपनी ने तिमाही-दर-तिमाही वृद्धि हासिल की है।

यह वृद्धि व्यापक रही और ज्यादातर उद्योगों तथा बड़े बाजारों में देखने को मिली। उन्होंने कहा कि वृहद अर्थव्यवस्था से संबंधित चुनौतियों के बीच ग्राहक प्रौद्योगिकी पर खर्च कर रहे हैं जिससे कंपनी के लिए और अवसर खुल रहे हैं। तिमाही के दौरान ऊर्जा, संसाधन एवं यूटिलिटी सेवाओं के वर्टिकल में सबसे अधिक 7.3 प्रतिशत की और चिकित्सा विज्ञान एवं स्वास्थ्य सेवा में 3.3 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी। विनिर्माण में 3.1 प्रतिशत और प्रौद्योगिकी एवं सेवा के वर्टिकल में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

> भारत में जहां सालाना आधार पर कंपनी का राजस्व 23 प्रतिशत कम हुआ वहीं, लातीन अमेरिका में इसमें 2 .9 प्रतिशत की गिरावट देखी गयी। हालांकि पश्चिम एशिया में कंपनी का राजस्व 7 .8 प्रतिशत और उत्तरी अमेरिका में 2 .5 प्रतिशत बढ़ा।

सस्ते होंगे फ्लाइट के टिकट : सरकार

बढ़ती ईंधन कीमतों के बीच सरकार ने दी राहत की सांस

तीन महीने में एयरलाइंस को 400 करोड़ की बचत का अनुमान

नई दिल्ली 9 अप्रैल. घरेलू हवाई यात्रा के लिए खुशखबरी है. भारतीय सरकार ने डोमेस्टिक एयरलाइंस को बड़ी राहत दी है, जिससे यात्रियों पर फ्लाइट किराए में अचानक बढ़ोतरी का बोझ कम होगा.

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने बताया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक स्तर पर

एटीएफ की बढ़ती कीमतों के बीच घरेलू एयरलाइंस की मदद के लिए लैंडिंग और पार्किंग शुल्क में तीन महीने के लिए 25 प्रतिशत की कटौती की जाएगी. इस निर्णय का उद्देश्य न केवल एयरलाइंस के ऑपरेशनल प्रेशर को कम करना है, बल्कि आम यात्रियों के लिए हवाई यात्रा को सुलभ और किफायती बनाए रखना भी है. मंत्रालय ने एयरपोर्ट इकोनॉमिक रेग्युलेटरी अथॉरिटी को निर्देश दिए हैं कि यह राहत तुरंत प्रभाव से लागू की जाए, खासकर प्रमुख एयरपोर्ट्स पर.

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और वैश्विक एटीएफ कीमतों में उछाल के बीच भारतीय घरेलू एयरलाइंस को सरकार ने राहत दी है. नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के अनुसार, लैंडिंग और पार्किंग शुल्क में तीन महीने के लिए 25 प्रतिशत की कटौती की गई है. इसका उद्देश्य एयरलाइंस पर बढ़ते ऑपरेशनल बोझ को कम करना और यात्रियों को हवाई यात्रा के बढ़ते किराए से बचाना है.

> मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार हवाई यात्रा को आम जनता के लिए किफायती और सुविधाजनक बनाए रखने के प्रयास में लगी है. इससे तीन महीने में प्रमुख एयरपोर्ट्स पर एयरलाइंस को लगभग 400 करोड़ रुपए की बचत होने का अनुमान है. मंत्रालय ने एईआरए को निर्देश दिए हैं कि इस फैसले को तुरंत प्रभाव से लागू किया जाए. पहले ही सरकार ने बढ़ती एटीएफ कीमतों के केवल 25 प्रतिशत का असर एयरलाइंस पर डाला था, जबकि वैश्विक स्तर पर ईंधन की कीमतों में 100 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी देखी गई थी.

सैमसंग गैलेक्सी ए57, ए37 की बिक्री आज से शुरू

नई दिल्ली, 09 अप्रैल. देश के प्रमुख उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने नये गैलेक्सी ए57 5जी और गैलेक्सी ए37 5जी स्मार्टफोन की बिक्री शुक्रवार 10 अप्रैल से शुरू करने की घोषणा की है.

कंपनी ने गुरुवार को बताया कि नयी ए सीरीज विशेषकर युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार की गयी है. गैलेक्सी ए57 5जी तीन रंगों - ऑसम नेवी, ऑसम आइसीब्लू और ऑसम लिलैक - में उपलब्ध होगा. इसकी कीमत 8जीबी/256जीबी वेरिएंट के लिए 56,999 रुपये और 12जीबी/256जीबी वेरिएंट के लिए 62,499 रुपये रखी गयी है. वहीं, गैलेक्सी ए37 5जी ऑसम लैवेंडर, ऑसम ग्रेग्रीन और ऑसम चारकोल रंगों में आयेगा, जिसकी शुरुआती कीमत 8जीबी/128जीबी वेरिएंट के लिए 41,999 रुपये, 8जीबी/256जीबी वेरिएंट के लिए 47,499 रुपये और 12जीबी/256जीबी वेरिएंट के लिए 52,999 रुपये है.

समाचार विशेष

मराठा बनाम गैर मराठा की राजनीति

मुंबई. इस समय महाराष्ट्र में बहुत दिलचस्प राजनीति हो रही है. भारतीय जनता पार्टी ने दो सबसे बड़े मराठा नेताओं अजित पवार और एकनाथ शिंदे को साथ लेकर गैर मराठा राजनीति की थी. इस समीकरण के दम पर उसने 2024 के चुनाव में ऐतिहासिक जनादेश हासिल किया. भाजपा अकेले दम पर बहुमत के नजदीक पहुंच गई.

कह सकते हैं कि बरसों से भाजपा ने जो राजनीति की है और हर राज्य की सबसे ताकतवर जाति की राजनीतिक ताकत कम की है उसका नतीजा है कि महाराष्ट्र में मराठा राजनीति कमजोर हुई है. भाजपा के बाद कांग्रेस भी पारंपरिक रूप से गैर मराठा राजनीति के रास्ते पर चल रही है.

उसे पता है कि मराठा वोट क्षत्रपों को ज्यादा जाते हैं. सो, कांग्रेस ने वह राजनीति शरद पवार के जिम्मे छोड़ी है.

गैर मराठा राजनीति साधने के दांव से ही कांग्रेस ने बारामती सीट पर उपचुनाव लड़ने का फैसला किया है. महाराष्ट्र में यह परंपरा है कि किसी विधायक के निधन से खाली हुई सीट पर उपचुनाव में अगर उसके परिवार का कोई लड़ रहा हो तो बड़ी पार्टियां उम्मीदवार नहीं देती हैं. कांग्रेस ने इस परंपरा को तोड़ दिया है.

कांग्रेस ने आकाश मोरे को टिकट दिया है. उनके पिता विजय राव मोरे बहुत पहले एक बार एमएलसी रहे थे. खुद आकाश मोरे 2014 में इस सीट पर अजित पवार के खिलाफ लड़े थे और जमानत जब्त कराई थी. वे धनगर जाति से आते हैं. राज्य की उप मुख्यमंत्री और दिवंगत अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार इस सीट से चुनाव लड़ रही हैं.

> उन्होंने खुद फोन करके कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल से उम्मीदवार नहीं उतारने की अपील की थी. सपकाल को राहुल गांधी का करीबी माना जाता है. उन्होंने इनकार कर दिया. बाकी उद्धव ठाकरे और शरद पवार ने उम्मीदवार नहीं दिया है. यह देखना दिलचस्प होगा कि पवार परिवार के इस गढ़ में आकाश मोरे कितना वोट हासिल कर पाते हैं.

पिता के लिए बेटे ने ठुकराया टिकट

तमिलनाडु की राजनीति में घमासान

वेल्लोर (तमिलनाडु). तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की राजनीति में रिश्तों और टिकटों के बीच एक दिलचस्प खेल देखने को मिल रहा है. रानीपेट विधानसभा सीट पर चल रही चुनावी उठापटक ने उस वक्त नया मोड़ ले लिया, जब बेटे ने पिता के लिए मैदान छोड़ने का ऐलान कर दिया. डीएमके की लिस्ट में नाम आने के बाद भी मंत्री आर. गांधी के बेटे विनोद गांधी ने अपना हाथ पीछे खींच लिया.

एक बड़े और आखिरी वक्त के घटनाक्रम में, तमिलनाडु के मंत्री आर. गांधी के बेटे विनोद गांधी ने रानीपेट निर्वाचन क्षेत्र से 2026 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया. उन्होंने अपने पिता के लिए यह अवसर छोड़ने का विकल्प चुना. 29 मार्च को जारी द्रमुक (ष्ठरूद्म) की उम्मीदवार सूची में विनोद गांधी को मंत्री पिता आर गांधी की जगह रानीपेट विधानसभा सीट के लिए पार्टी का उम्मीदवार बनाया गया था.

टेक्सटाइल और हैंडलूम मंत्री आर. गांधी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोग बेवजह अलग-अलग राय शेयर कर रहे हैं. मैं ऐसे फालतू के विवादों का जवाब नहीं देना चाहता.

> डीएमके लीडरशिप के निर्देशों के अनुसार, मैंने अपना नॉमिनेशन फाइल किया है. इससे पहले सोशल मीडिया पोस्ट में, विनोद गांधी ने खुद पर भरोसा जताने के लिए मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और उदयनिधि स्टालिन का आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा- अपने पिता की दोबारा चुनाव लड़ने की इच्छा का सम्मान करते हुए, मैंने यह अवसर उन्हें सौंपने का निर्णय लिया. उन्होंने अपने समर्थकों का भी धन्यवाद किया और भविष्य में जनसेवा जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई.

फरक्का सीट पर फैसले का कांग्रेस को फायदा

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में कांग्रेस पार्टी सिर्फ दो जिलों में ही गंभीरता से चुनाव लड़ रही है. एक जिला है मुर्शिदाबाद और दूसरा है मालदा. मुर्शिदाबाद की फरक्का सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार का मामला उलझ गया था.

कांग्रेस ने माहताब शेख को उम्मीदवार बनाया था लेकिन मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के क्रम में उनका नाम कट गया. उन्हें पहले विचाराधीन श्रेणी में रखा और बाद में न्यायिक अधिकारी ने उनकी आपत्ति खारिज कर दी. दूसरी ओर ट्रिब्यूनल ने अपना काम शुरू नहीं किया है. सो, वे सुप्रीम कोर्ट पहुंचे. सर्वोच्च अदालत के निर्देश पर साल्ट लेक में ट्रिब्यूनल की बैठक हुई, जिसमें उनकी याचिका सुनी गई. उन्होंने अपना पासपोर्ट पेश किया, जिसे ट्रिब्यूनल के जज ने बतौर प्रमाण स्वीकार कर लिया और चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि माहताब शेख का नाम मतदाता सूची में शामिल किया जाए. वैसे तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हर जगह नाम कटने का विरोध कर रही हैं लेकिन फरक्का के कांग्रेस उम्मीदवार का नाम कटने से उनकी पार्टी खुश थी.

मोदी मैजिक | **ममता बनर्जी के चेहरे पर घबराहट और परेशानी नजर आ रही**

प . बंगाल में ममता का किला टूटना शुरू

(राकेश शर्मा)

पश्चिम बंगाल में चुनाव का नगाड़ा तेजी से बज रहा है। सभी पार्टियां अपनी पूरी ताकत चुनाव में झोक चुकी हैं इस चुनाव में जिस तरह से ममता बनर्जी के चेहरे पर घबराहट और परेशानी नजर आ रही है उससे यह प्रतीत होता है कि ममता का मजबूत किला इस बार भरभराकर गिरने वाला है। एस.आई.आर. जहां ममता दीदी के लिए एक बड़ा दर्द बना हुआ है जिससे वह बाहर नहीं निकल पा रही हैं,अपनी हर चुनाव रैली में इस दर्द को बयां कर रही हैं ।ममता अपनी जिंदगी के सबसे कठिन चुनाव में फंसी हुई हैं ।भारतीय जनता पार्टी लगातार घुसपैठ,भ्रष्टाचार , बिगड़ती कानून व्यवस्था, कट मनी और भाई भतीजावाद को अपना प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाकर ममता पर लगातार हमले कर रहे हैं। घुसपैठ पश्चिम बंगाल में एक नासूर की

तरह हो गया है जिससे मूल पश्चिम बंगाल का नागरिक बहुत परेशान है क्योंकि उनके रोजगार और संसाधनों पर घुसपैठियों का कब्जा हो गया है ।साथ ही ममता के मंत्री भ्रष्टाचार में गले-गले तक डूबे हुए हैं ।ममता के बाद उनके भतीजे पार्टी के सबसे बड़े नेता हैं जो ममता बनर्जी के साथ लंबे समय से काम करने वाले नेताओं पर अपना हुकुम चलाते हैं, यह भी पार्टी में एक दरार पैदा कर रहा है। भारतीय जनता पार्टी इस चुनाव को कितनी गंभीरता से ले रही है यह इससे सिद्ध होता है कि भारतीय जनता पार्टी के चाणक्य और प्रमुख रणनीतिकार अमित शाह लगातार पश्चिम बंगाल में दौरा कर

> अब तो केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यह घोषणा कर दी है कि वह 15 दिनों तक पश्चिम बंगाल में रहकर चुनाव प्रचार करेंगे। ममता बनर्जी को घेरने के लिए भाजपा ने अपने बंगाल के सबसे मजबूत नेता सुवेंदु अधिकारी को ममता बनर्जी के खिलाफ फिर चुनाव में उतारा है। सुवेंदु अधिकारी ने 2021 में नंदीग्राम में ममता बनर्जी को चुनाव में पटकने दी थी। 2021 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव की कमान अपने सबसे विश्वासपात्र सेनापति कैलाश विजयवर्गीय को सौंपी थी, उस चुनाव में भाजपा ने ऐतिहासिक सफलता प्राप्त करते हुए 70 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल कर पश्चिम बंगाल में मुख्य विपक्षी दल का स्थान प्राप्त किया था। राजनीतिक पंडित आश्चर्यचकित थे कि कहां भाजपा की तीन सीटें थी और वह आंकड़ा बढ़कर 70 हो गया था। भाजपा का वोट शेयर 38त्न बंगाल में है जिसे बढ़ाने के लिए लंबे समय से भाजपा पश्चिम बंगाल में प्रयास कर रही है। विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता देश के प्रधानमंत्री लगातार पश्चिम बंगाल में सभा कर रहे हैं केंद्र सरकार की योजनाएं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और जनता का प्रधानमंत्री मोदी के प्रति विश्वास पश्चिम बंगाल में रंग दिखा रहा है ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर सभा में उमड़ती लोगों की संख्या इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा के पक्ष में बहती हुई राजनीतिक हवा का रुख स्पष्ट कर रही है ।निर्वाचन आयोग ने भी चुनाव को निष्पक्ष कराने के लिए कमर कसी है ।पश्चिम बंगाल के डीजीपी पीयूष पांडे की जगह सिद्धनाथ गुप्ता को नया डीजीपी बनाया गया है। साथ ही राज्य के मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती की जगह दुष्यंत नारियाला को नया मुख्य सचिव बनाया गया है।